01 / 04 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

त्याग के आधार पर
भाग्यवान बनने का अनुभव

≫≫ मैं तकदीरवान आत्मा हूं

- भगवान ने मुझे अपना लिया है
  - → भगवान् की बनी मैं भाग्यवान हो गई
- मेरा श्रेष्ठ भाग्य है कि
  - → मैं ब्रह्माकुमारी हूं
- मेरा श्रेष्ठ भाग्य है कि
  - → मैं भगवान की संतान बनी
- मेरा श्रेष्ठ भाग्य है कि
  - → मैं कलयुगी से संगमयुगी बन गई हूं
- मेरा श्रेष्ठ भाग्य है कि
  - → मैं 21 जन्मों के वरसे की अधिकारी बन गई हूं
- मेरे मस्तक पर भाग्य का सितारा चमक रहा है
  - → यह भाग्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है
  - → यह भाग्य मेरी प्रॉपर्टी है
- मेरा पुरुषार्थ है मेरा लक्ष्य है
  - → मिले भाग्य को संभालने की ओर
  - → मिले भाग्य को बढ़ाने की ओर
  - → मिले भाग्य की सम्पूर्ण प्राप्ति की ओर

≫≫ मैं श्रेष्ठ कर्म योगी आत्मा

- चेक कर रही हूं
  - → अपने कर्मों को
  - → अपने पुरुषार्थ को
  - → मेरा हर संकल्प बाबा से जुड़ा है
  - → हर बोल वरदानी है
  - → हर कर्म श्रीमत अनुसार है
- श्रेष्ठ कर्म द्वारा
  - → भाग्य की लकीर को आगे बढ़ा रही हूँ
- मैं ट्रस्टी हूं
  - → पर संपूर्ण अधिकारी हूँ
  - → मुझे फुल अथॉरिटी है
    - ◆ भाग्य बनाने की
  - → तन मन धन सब बुद्धि से
    - ◆ बाबा को सौंप दिया है
  - → एक त्याग और पद्मा पदम प्राप्ति
    - ◆ वाह क्या भाग्य है मेरा
  - → संपूर्ण त्याग वृत्ति द्वारा आगे बढ़ रही हूं
  - → सच्ची और साफ दिल से पुरुषार्थ कर रही हूं
- मैं धारणा स्वरूप आत्मा

→ ज्ञान को मनन करते करते उसका स्वरूप बन गई हूं

→ गुणों और शक्तियों का स्वरूप बन गई

→ शक्तियों को समयानुसार परिस्थिति अनुसार

- बैलेंस कर रही हूं
- प्रैक्टिकल में यूज कर रही हूं
- जहां सहन करती हूं
  - वहां समा भी रही हूँ

→ शक्ति और गुणों की बैलेंस का स्वरूप हूँ मैं

➳ मैं भाग्य रूपी खजाने को संभाल रही हूँ

➢➢ मैं सच्ची सेवा धारी हूँ

➳ प्राप्त खजाने को

→ खुले दिल से सच्चे दिल से

- बांट रही हूं

→ मन वाणी कर्मणा द्वारा

- सेवा में लगा रही हूं

➳ एक ही लग्न है सेवा

➳ मेरा जीवन है सेवा

➳ मेरे दिल में है दिलाराम और सेवा

→ हर आत्मा को

- दिलाराम का बना रही हूँ

→ हर आत्मा को

- प्रत्यक्ष फल का अनुभव करा रही हूँ

→ सब की लगन बाबा से लगा रही हूँ

→ उन्हें प्राप्ति स्वरूप बना रही हूं

➳ भगवान का दिया हुआ ज्ञान

→ भगवान के बच्चों में बांट

- भाग्यवान बन गई हूं मैं
- मैं भाग्य रूपी खजाने को बढ़ा रही हूं

➳ मैं पद्मा पदम भाग्यशाली आत्मा हूँ